

R21/Matrix-M मलेरिया वैक्सीन

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

वशिव की सबसे बड़ी वैक्सीन नरिमाता (वशिव स्तर पर उत्पादित और विक्रय की गई डोज़ की संख्या के संदर्भ में) कंपनीसीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (SII), ने [R21/Matrix-M मलेरिया](#) वैक्सीन की पहली खेप अफ्रीकी देशों को भेज दी है।

- इस वैक्सीन को [यूनविर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड](#) और [सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया](#) द्वारा विकसित किया गया है।
 - सुरक्षा, गुणवत्ता और प्रभावशीलता संबंधी मानकों को पूरा करने के बाद [वशिव स्वास्थ्य संगठन](#) (World Health Organization-WHO) ने इसे उपयोग हेतु अनुशंसित किया है।
 - अक्टूबर 2021 में बच्चों में मलेरिया को रोकने हेतु WHO ने पहली मलेरिया वैक्सीन [RTS,S/AS01](#) को अनुशंसित किया था।
- मलेरिया [प्लाज़्मोडियम परजीवी](#) (*plasmodium parasite*) के कारण होने वाली एक जानलेवा बीमारी है। यह बीमारी संक्रमित [मादा एनाफिलीज़ मच्छर](#) के काटने से मनुष्यों में संचरित होती है।
 - [वशिव मलेरिया रिपोर्ट 2023](#) के अनुसार, वर्ष 2022 में मलेरिया से संबंधित मामलों की संख्या 249 मिलियन दर्ज की गई जबकि वर्ष 2021 में यह संख्या 247 मिलियन थी।
 - वर्ष 2022 में, [वशिव स्तर पर](#) मलेरिया के [सर्वाधिक मामले \(94%\)](#) तथा इसके कारण होने वाली [मौतें \(95%\)](#) [अफ्रीकी क्षेत्रों](#) में दर्ज की गईं।
- [मलेरिया के कुल वैश्विक मामलों में भारत की हसिसेदारी 1.4%](#) रही और वर्ष 2021 की तुलना में वर्ष 2022 में मलेरिया के मामलों में 30% तथा इसके कारण होने वाली मौतों में 34% की गिरावट देखी गई।

और पढ़ें: [R21/मैट्रिक्स-M मलेरिया वैक्सीन](#)